वर्षा वन अनुसंधान संस्थान राजभाषा के उन्नत कार्यान्वयन हेतु सम्मानित

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), जोरहाट की 22वीं बैठक उत्तर-पूर्व विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान (NEIST), जोरहाट में दिनांक 7 मार्च, 2011 के अपराह्न 3 बजे आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ० पी० जी० राव के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जोरहाट स्थित विभिन्न केन्द्रीय कार्यालयों के प्रधान/प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में राजभाषा विभाग, पूर्वोत्तर क्षेत्र के सहायक निदेशक श्री अशोक कुमार मिश्र एवं राजभाषा विभाग, हिन्दी शिक्षण योजना के उप निदेशक श्री एस एल पूर्ति उपस्थित थें। हमारें संस्थान से निदेशक महोदय श्री एन० के० वासु तथा वैज्ञानिक श्री पवन कुमार कौशिक ने भाग लिया।

पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री एन० के० वासु, निदेशक, व०व०अ०सं०, जोरहाट

राजभाषा हिन्दी के कारगर क्रियान्वयन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) एक उच्चस्तरीय मंच की तरह काम करती है। इसका गठन राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाता है। जोरहाट नगर में यह उत्तर-पूर्व विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी संस्थान (NEIST, Jorhat) में स्थित है। जोरहाट स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालय/उपक्रम, राष्ट्रीयकृत बैंक आदि इसके सदस्य है। इसके गठन का प्रमुख उद्देश्य केन्द्रीय सरकार के

कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करना, इसे बढ़ावा देना और इसके मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करना है।

यह समिति नगर स्थित कार्यालयों में राजभाषा से संबंधित कार्यकलापों का समन्वयन भी करती है। इसके अतिरिक्त हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन देने हेतु यह समिति प्रत्येक वर्ष सर्वोत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र प्रदान करती है। स्वायत्तशासी श्रेणी में वर्ष 2010 के लिए वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट को प्रोत्साहन पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। निदेशक श्री एन० के० वासु जी ने संस्थान की तरफ से पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान की श्रेणी में ओ एन जी सी, असम एवं असम अराकान बेसिन, जोरहाट को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीयकृत बैंकों की श्रेणी में भारतीय स्टेट बैंक को प्रदान किया गया।

बैठक का एक दृश्य

बैठक में केंद्रीय आबकारी शुल्क विभाग, नेशनल ब्यूरो ऑफ सॉयल सर्वे, केंद्रीय मूगा एवं एरी अनुसंधान संस्थान, भारतीय जीवन बीमा निगम, इंडियन ओवरसीज बैंक, सेंट्रल बैंक, विजया बैंक, इंडियन बैंक, युको बैंक, नेशनल इंश्योरेंस, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, केंद्रीय विद्यालय निस्ट, रबर बोर्ड आदि के कार्यालय प्रधान/प्रतिनिधि उपस्थित थें।